



Telephone : 044 – 28889333, 28415702  
E-Mail : investor@iobnet.co.in

## इण्डियन ओवरसीज़ बैंक

केंद्रीय कार्यालय- पोस्ट बॉक्स सं 3765, 763 अण्णा सालै, चेन्नै 600 002

### Indian Overseas Bank

Central Office: P.B. No.: 3765, 763 Anna Salai, Chennai 600 002

#### Investor Relations Cell

IRC/ 423 /2023-24

13.05.2023

The General Manager,  
Department of Corporate Services  
**BSE Limited**  
Floor 1, P.J. Towers , Dalal Street  
**Mumbai 400 001**

The Vice President  
**National Stock Exchange Ltd**  
"Exchange Plaza", C-1 Block G  
Bandra-Kurla Complex, Bandra (E)  
**Mumbai – 400 051**

Dear Sir/Madam,

#### Newspaper Publication

#### Financial Results for the Quarter/Year ended 31.03.2023

We refer our letter no. IRC/407/2022-23 dated 04.05.2023 intimating about the Meeting of the Board of Directors of the Bank for considering the Audited Financial Results of the Bank for the Quarter/ Year ended 31st March 2023.

In this regard, we have published Financial Results in three Newspapers viz. Dinamani(Tamil), Business Standard(Hindi and English) on 13.05.2023 for the information of our shareholders. We enclose newspaper publication of Financial Results.

Please take the same on record.

Yours faithfully,

S Nandakumaran  
DGM & Company Secretary



शनिवार, 13 मई 2023  
कोलकाता, चंडीगढ़, नई दिल्ली, भोपाल,  
मुंबई और लखनऊ से प्रकाशित।

**एक नजर**

**टाटा मोटर्स को 5,040 करोड़ रु. का शुद्ध लाभ**

वाहन विनिर्माता कंपनी टाटा मोटर्स का वित्त वर्ष 2022-23 को चौथी तिमाही में शुद्ध लाभ 5,040 करोड़ रुपये रहा। वित्त वर्ष 2021-22 को इसी तिमाही में कंपनी को 1,099 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था। चौथी तिमाही में उसकी परिचालन आय बढ़कर 1,05,932 करोड़ रुपये हो गई, जो जनवरी-मार्च, 2022 में 78,439 करोड़ रुपये थी। वाहन विनिर्माता का प्रकलन आधार पर शुद्ध लाभ समीक्षाधीन तिमाही में 2,696 करोड़ रुपये था, जो एक वर्ष पहले 413 करोड़ रुपये रहा था। पृष्ठ 2

**एमएससीआई इंडेक्स से अदाणी की दो फर्म बाहर**

वैश्विक सूचकांक प्रदाता एमएससीआई ने अदाणी ट्रांसमिशन और अदाणी टोटल गैस को अपने इंडिया इंडेक्स से बाहर कर दिया। इस कदम से एक्सचेंज ट्रेडिंग फंड इन दोनों शेयरों से करीब 3,200 करोड़ रुपये निकाल लेंगे। यह बदलाव 31 मई से प्रभावी होगा। एमएससीआई ने कहा है कि अदाणी के दोनों शेयरों में 31 मई को 5 मिनिट तक लोअर सर्किट लगा तो इनकी निकासी शून्य कोमत पर होगी। ऐसा नहीं हुआ तो सूचकांक प्रदाता आधिकारिक बंद पाव का इस्तेमाल करेगा। पृष्ठ 3

**केनरा बैंक पर 2.92 करोड़ रुपये का जुर्माना**

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को कहा कि उसने विनिर्माण मारटेंडो का उल्लंघन करने के कारण केनरा बैंक पर 2.92 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है। इसमें ब्याज देते को बाहरी बैंकचक्र से नहीं जोड़ना और अपात्र फर्मो का बचत खाता खोलना भी शामिल है। आरबीआई ने 31 मार्च 2021 को केनरा बैंक को विनोती स्थिति का आकलन करने के लिए वैधानिक जांच की थी।

**आज का सवाल**

क्या मुद्रास्फीति में नरमी से दर वृद्धि पर विराम जारी रखेगा आरबीआई

www.bshindi.com पर राय भेजें।  
आज अपना उत्तर एमएससीआई में कमेंट कर दें।  
यदि आपका उत्तर हाँ है तो Y और नहीं तो N के साथ टिक्कर 57007 पर भेजें।

सिद्धि सवाल का नतीजा  
सर्वा विदेशी नरमिग सवाल पर प्रतिशत  
कल्पना सही है क्या?

हां 75% नहीं 25%

# बिज़नेस स्टैंडर्ड्स



पृष्ठ 2  
अप्रैल में कारों की बिक्री रही सर्वाधिक  
राजीव चंद्रशेखर पृष्ठ 4  
सेमीकंडक्टर लैब के दिन फिरेंगे

## महंगाई 18 माह में सबसे नीचे

अप्रैल में खुदरा मुद्रास्फीति घटकर 4.7 फीसदी रही लेकिन उद्योगों के उत्पादन में तेज गिरावट

शिवा राजीव  
नई दिल्ली, 12 मई

लगभग सभी श्रेणियों में कीमतों पर दबाव कम होने और उच्च आधार प्रभाव के कारण अप्रैल में खुदरा मुद्रास्फीति घटकर 18 महीने के निचले स्तर पर आ गई। मुद्रास्फीति में नरमी से केंद्रीय बैंक को नीति दर वृद्धि पर रोक को बरकरार रखने में सहायित हो सकती है। इस बीच कारखानों के उत्पादन में तेज गिरावट आई है। कमजोर मांग के कारण मार्च में औद्योगिक उत्पादन की वृद्धि घट कर निचले स्तर पर रही। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय द्वारा आज जारी आंकड़ों के अनुसार अप्रैल में खुदरा मुद्रास्फीति घटकर 4.7 फीसदी पर आ गई जो मार्च में 5.66 फीसदी पर थी। खाद्य पदार्थों, ईंधन, कपड़े और सेवाओं की कीमतों में नरमी से खुदरा मुद्रास्फीति लगातार दूसरे महीने भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के ऊपरी सहज दायरे में बनी हुई है। आरबीआई ने 2 फीसदी घट-बढ़ के साथ मुद्रास्फीति का लक्ष्य 4 फीसदी तय किया है। औद्योगिक उत्पादन (आईआईपी) में गिरावट थोड़ी वितानजक है। मार्च में आईआईपी की वृद्धि घटकर 1.1 फीसदी रही जो फरवरी में 5.8 फीसदी थी।

**नरम पड़ी खुदरा मुद्रास्फीति**

खुदरा मुद्रास्फीति लगातार दूसरे महीने आरबीआई के सहज दायरे में

खाद्य पदार्थों और ईंधन के दाम घटने से मुद्रास्फीति में आई नरमी

मार्च में औद्योगिक उत्पादन की वृद्धि 5 महीने के निचले स्तर 1.1 फीसदी रही

विनिर्माण (0.5 फीसदी) और विजली (1.6 फीसदी गिरावट) क्षेत्र के कमजोर प्रदर्शन को नेज से गिरावट आई है। वित्त वर्ष 2023 में आईआईपी वृद्धि 5.1 फीसदी रही, जो वित्त वर्ष 2022 में 11.4 फीसदी थी। अप्रैल में खाद्य मुद्रास्फीति 17 महीने के निचले स्तर 3.84 फीसदी पर रह गई

**मुद्रास्फीति में नरमी से आरबीआई के पास दर वृद्धि पर विराम बरकरार रखने की गुंजाइश**

इका को मुख्य अर्थशास्त्री अदिति नायर ने कहा कि औसत से अधिक वारिश और अप्रैल में सामान्य से कम तापमान के कारण जल्दी खराब होने वाली चीजों, खास तौर पर सब्जियों के दाम में मौसमी बढ़ोतरी में देरी हुई। नायर ने कहा, 'खाद्य मुद्रास्फीति मई में भी नरम बनी रह सकती है। मौसम विभाग के अनुसार अलानीको का प्रभाव मौसम के सीजन के उत्तरार्ध में दिख सकता है, ऐसे में खरीफ की बोआई पर असर नहीं पड़ेगा। लेकिन याद में मानसूनी बारिश कम होने से खरीफ की पैदावार प्रभावित हो सकती है और रबी की बोआई पर भी असर पड़ सकता है। इससे खाद्य मुद्रास्फीति में इजाफा हो सकता है।' कारखानों के उत्पादन की बात करें तो मार्च में प्राथमिक वस्तुओं के उत्पादन में 3.3 फीसदी, बुनियादी ढांचा वस्तुओं में 5.3 फीसदी की गिरावट आई है। लेकिन पूंजीगत वस्तुओं का उत्पादन 8.1 फीसदी बढ़ा है। कमजोर मांग के कारण कंप्यूटर हार्डवेयर के उत्पादन में लगातार चौथे महीने गिरावट दर्ज की गई। बैंक ऑफ इंडिया के मुख्य अर्थशास्त्री मदन सक्सेना ने कहा कि मशीनों और वाहन क्षेत्र का प्रदर्शन अच्छा रहा है लेकिन उपभोक्ता वस्तुएं और एफएमसीजी लगातार गिरावट कर रहे हैं।

**पट्टा-किराये पर पंचाट के आदेश का असर!**

दीपक पटेल और अनशील फडणीस नई दिल्ली/मुंबई, 12 मई

प्रमुख एरोसेस कंपनी बोंगों को चिंता है कि गो फर्ट में मामलों में राष्ट्रीय कंपनी विधि पंचाट (एनसीएलटी) के आदेश से पट्टा पर लिए गए विमानों के किराये पर असर पड़ सकता है। एनसीएलटी के फैसले के बाद पट्टा कंपनियों के लिए दिवालिया विमानन कंपनी गो फर्ट के विमानों पर कब्जा करना आसान नहीं होगा। विमानन विरलेषण फर्म सिरियम के आंकड़ों के अनुसार 3 मई तक भारतीय विमानन कंपनियों के कुल 673 वाणिज्यिक विमानों में करीब 88 फीसदी विमान पट्टे पर लिए गए हैं। इससे पता चलता है कि भारतीय विमानन कंपनियां पट्टे के किराये पर मोटी रकम खर्च करती हैं। एनसीएलटी के आदेश से पहले 10 मई को पट्टा कंपनियों ने गो फर्ट के 5.5 विमानों में से 40 से अधिक पर कब्जा करने के लिए नागरिक उड्डान महानिदेशालय (डीजीसीए) में आवेदन दिए थे। इनमें एएमएससीजी एविएशन कैपिटल, एएफएमसी एयरक्राफ्ट सोल्यूशंस और जेआइए एविएशन लीज शामिल हैं। एनसीएलटी के आदेश के कारण भारतीय विमानन कंपनियों के लिए विमान का पट्टा किराया बढ़ने के बारे में पूछे जाने पर बोंगों कमर्शियल एयरलैन्स के प्रकाश्वर रायन वेकर ने कहा, 'इस संबंध में कुछ भी करना अभी जल्दबाजी सीजी। मगर हमें चिंता है कि यह आदेश बरकरार रहा तो पट्टा किराये पर उतका क्या असर होगा।' उन्होंने कहा, 'पट्टा कंपनियों को संतुष्ट करने के लिए भारत को कानून के रास्ते के पाठ्यक्रम सौंध और बढ़ाने चाहिए और कामकाजी तंत्र तैयार करना चाहिए। दूसरे देशों में यह कारगर कदम रहा है। सौंध पूरी तरह स्वीकार किए जाने पर भारत में भी ऐसा ही होगा। इससे पट्टा कंपनियां अपनी महंगी संपत्तियां भारत में किराये पर देने में हिचकेंगी नहीं।' (शेष पृष्ठ 2 पर)



**गो फर्ट का मामला**

गो फर्ट की उड़ानें 23 मई तक निलंबित रहेंगी

विमान बनाने वाली कंपनी बोंगों को किराये पर एनसीएलटी के आदेश का असर पड़ने की आशंका

एनसीएलटी के फैसले के बाद पट्टा कंपनियों के लिए दिवालिया विमानन कंपनी गो फर्ट के विमानों पर कब्जा करना आसान नहीं होगा

## 'खुदरा मुद्रास्फीति में नरमी संतोषजनक'

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिमंत दास ने कहा कि खुदरा मुद्रास्फीति का अर्थ में घटकर 4.7 फीसदी रह जाना 'बेहतर संतोषजनक' है। उन्होंने कहा कि आज जारी आंकड़ों से पता चलता है कि मौद्रिक नीति सही रास्ते पर है। उन्होंने इस पर कोई टिप्पणी नहीं की कि मुद्रास्फीति में नरमी से आरबीआई का

रुख सतर्क से थोड़ा नरम होगा या उसमें बदलाव आएगा। दास ने कहा कि 8 जून को मौद्रिक नीति समिति की अगली बैठक में इसकी तस्वीर साफ होगी। जी-20 के शेरपा आतिथ्य कांत की किराया 'मेड इन इंडिया' के विधेयक कार्यक्रम में दास ने कहा कि आरबीआई को पूरा भरोसा है कि नया वित्त वर्ष में देश के वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद

की वृद्धि दर 6.5 फीसदी रहेगी। हालांकि अन्य विरलेषक इससे सहमत नहीं हैं। दास ने कहा कि निजी निवेश भी अगर पकड़ रहा है और इस्पात, सीमेंट तथा पेट्रो रसायन जैसे क्षेत्रों में यह स्पष्ट तौर पर दिख रहा है। अगर भारत 6.5 फीसदी की दर से विकास करता है तो इस साल वैश्विक वृद्धि दर में इसका 15 फीसदी का योगदान होगा। भाग्य

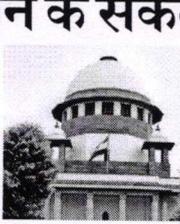


## अदाणी जांच में सेबी को मोहलत मिलने के संकेत

सुश्रम तिवारी  
मुंबई, 12 मई

सर्वोच्च न्यायालय ने आज संकेत दिया कि वह अदाणी-हिंडनबर्ग मामले को जांच पूरी करने के लिए भारतीय प्रतिभूति एवं विनियम बोर्ड (सेबी) को तीन महीने का समय और दे सकता है। सेबी ने जांच पूरी करने की मियाद 6 महीने बढ़ाने का अनुरोध करते हुए अदालत में याचिका डाली थी। मगर पीठ इस पर तैयार नहीं है। बहरहाल पीठ ने कहा कि वह सप्ताहांत में न्यायधर्म (सेवानिवृत्त) एएम सप्रे को अध्यक्षता वाली 6 सदस्यीय समिति को रिपोर्ट पढ़ने के बाद ही अंतिम समर्थन पर फैसला करेगा। शीर्ष अदालत में मामले की सुनवाई अब 15 मई को होगी। मुख्य न्यायाधीश दीवांस चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हन तथा न्यायमूर्ति जेबी पाटीदारों के पीठ ने कहा, 'अदालत द्वारा गठित समिति को रिपोर्ट पढ़ने के पास है। हमें स्पष्ट पढ़ने का समय नहीं मिल पाया है। हम सोमवार को इस मामले पर विचार करेंगे।' आवेदन का पक्ष रखते हुए वरिष्ठ वकील प्रशांत भूषण ने कहा कि सेबी 2016 से ही अदाणी समूह से संबंधित मामलों की जांच कर रहा है और उसे सुप्रीम कोर्ट कंपनियों तथा लेनदेन से संबंधित ब्यौरा कानूनी पत्रों की मिल गया होता। सेबी का पक्ष रखते हुए सल्लोसिटर जनरल लुप्रा पेट्टा ने तर्क दिया कि पहले विलकुल अलग मामलों में जांच की गई थी।

मैट्रान ने जांच में अपने वाली चुनौतियों का भी जिक्र किया। उन्होंने पीठ को बताया कि सेबी ने मद्रद के लिए विदेशी निगमों को संशंक किया है। मगर केंद्र विचारण और लेनदेन का ब्यौरा हासिल करना बहुत चुनौती भरा है और दूसरे कानूनी मामलों का भी संशंक किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि सेबी को याचिका में दिन 12 सौंधिय लेनदेन का जिक्र किया गया है, वे बाजार निगमक की जांच में सामने नहीं आए हैं। मैट्रान ने कहा कि अमेरिकी प्रतिभूति निगमक को जांच पूरी करने में औसतन 3-4 महीने लग जाते हैं, इसलिए 6 महीने भी बहुत कम है। मगर सर्वोच्च न्यायालय स्पष्ट तौर पर 6 महीने और देने के नहीं मंजूर है। तीन महीने की मोहलत का संकेत देने से पहले पीठ ने कहा, '6 महीने देना सही नहीं होगा क्योंकि हम मान रहे थे कि जांच 2 महीने में होनी हो



**मियाद बढ़ने की संभावना**

- सर्वोच्च न्यायालय ने जांच की मियाद 3 महीने और बढ़ाने के लिए संकेत
- सेबी ने जांच पूरी करने के लिए अदालत से मांगी थी 6 महीने की मोहलत
- अदालत ने कहा कि सप्रे समिति की रिपोर्ट देने के बाद ही होगा इस पर निर्णय
- मामले की सुनवाई अब सोमवार को होगी

जाएगी। हम यह नहीं कह रहे कि हम समय नहीं देते मगर 6 महीने और देना ठीक नहीं होगा।' सल्लोसिटर जनरल ने बताया कि सेबी ने वैश्विक बाजार निगमक को के निगम यानी प्रतिभूति आयोगों के अंतरराष्ट्रीय संगठन (आईओएससीओ) से भी मदद करने का आग्रह किया है। जो बड़ा धारा अंत तक को मई जांच का खुलासा करने के भूषण के अनुरोध पर पीठ ने कहा, 'इससे जांच प्रभावित होगी। यह कोई अपराधिक जांच नहीं है।' सुनवाई के दौरान पीठ ने याचिका का प्रतिनिधित्व करने वाले वकीलों में से एक को फटकर लगाते हुए कहा कि उन्होंने सेबी को निगमकीय विफलता जैसे कुछ नहीं कहा है। पीठ ने कहा, 'हमने समिति याचिका को ही नहीं देखा है। पीठ ने निगमक को विफलता थी तो समिति उसे देखेगी। रिपोर्ट को देखे बिना यह कानून अनुचित है कि यह यह निगमकीय विफलता थी। हमने ऐसा नहीं कहा है।' अदालत ने कहा कि ऐसे आरोपों से शेर बाजार की स्थिरता प्रभावित हो सकती है।

75  
Azadi Ka  
Amrit Mahotsav

इण्डियन ओवरसीज़ बैंक  
Indian Overseas Bank  
आपकी प्रगति का सच्चा साथी  
Good people to Grow with

G20  
भारत 2023 INDIA  
समृद्ध वृद्धिकर्म  
ONE EARTH - ONE FAMILY - ONE FUTURE

**31 मार्च 2023 को समाप्त तिमाही/ वर्ष के लिए लेखापरीक्षित वित्तीय परिणाम** (रुपये लाख में)

क्र. सं.	विवरण	31.03.2023 को समाप्त तिमाही हेतु		31.03.2022 को समाप्त तिमाही हेतु		31.03.2023 को समाप्त वर्ष हेतु		31.03.2022 को समाप्त वर्ष हेतु	
		(लेखा परीक्षित)	(अनुमानित)	(लेखा परीक्षित)	(अनुमानित)	(लेखा परीक्षित)	(अनुमानित)	(लेखा परीक्षित)	(अनुमानित)
1	जीएनपी (कृषि, वन्य जीव, मत्स्य, मत्त, आवास और/या अन्य गतिविधियां)	6,62,242	6,00,601	5,71,868	23,50,908	21,63,289	6,63,057	6,00,807	57,25,059
2	अवधि के लिए कर से पहले निरस्त लाभ/हानि (आवास और/या असाधारण घाटे के बाद)	88,588	56,044	60,019	2,34,825	1,77,906	89,135	56,027	59,376
3	अवधि के लिए कर से पहले निरस्त लाभ/हानि (आवास और/या असाधारण घाटे के बाद)	88,588	56,044	60,019	2,34,825	1,77,906	89,135	56,027	59,376
4	अवधि के लिए कर से पहले निरस्त लाभ/हानि (आवास और/या असाधारण घाटे के बाद)	65,007	55,520	55,238	2,09,879	1,70,954	65,563	55,505	55,178
5	अवधि के लिए कर से पहले निरस्त लाभ/हानि (आवास और/या असाधारण घाटे के बाद)	65,007	55,520	55,238	2,09,879	1,70,954	65,563	55,505	55,178
6	प्रदाय केंद्रित कोषों/निधि	18,90,241	18,90,241	18,90,241	18,90,241	18,90,241	18,90,241	18,90,241	18,90,241
7	अवधि के लिए कर से पहले निरस्त लाभ/हानि (आवास और/या असाधारण घाटे के बाद)	8,55,790	8,55,790	8,55,790	8,55,790	8,55,790	8,55,790	8,55,790	8,55,790
8	अवधि के लिए कर से पहले निरस्त लाभ/हानि (आवास और/या असाधारण घाटे के बाद)	14,64,349	13,74,614	12,35,611	14,64,349	12,35,611	14,64,349	12,35,611	14,64,349
9	अवधि के लिए कर से पहले निरस्त लाभ/हानि (आवास और/या असाधारण घाटे के बाद)	14,64,349	13,74,614	12,35,611	14,64,349	12,35,611	14,64,349	12,35,611	14,64,349
10	अवधि के लिए कर से पहले निरस्त लाभ/हानि (आवास और/या असाधारण घाटे के बाद)	14,64,349	13,74,614	12,35,611	14,64,349	12,35,611	14,64,349	12,35,611	14,64,349
11	अवधि के लिए कर से पहले निरस्त लाभ/हानि (आवास और/या असाधारण घाटे के बाद)	14,64,349	13,74,614	12,35,611	14,64,349	12,35,611	14,64,349	12,35,611	14,64,349
12	अवधि के लिए कर से पहले निरस्त लाभ/हानि (आवास और/या असाधारण घाटे के बाद)	0.97	0.97	0.69	0.82	0.68			
13	अवधि के लिए कर से पहले निरस्त लाभ/हानि (आवास और/या असाधारण घाटे के बाद)	0.34	0.29	0.29	1.15	0.92			
14	अवधि के लिए कर से पहले निरस्त लाभ/हानि (आवास और/या असाधारण घाटे के बाद)	0.34	0.29	0.29	1.15	0.92			
15	अवधि के लिए कर से पहले निरस्त लाभ/हानि (आवास और/या असाधारण घाटे के बाद)								

1. उपर्युक्त जानकारी सेबी (सर्वोच्च न्यायालय) व प्रकटीकरण अधिनियम 2015 के विधिमार्ग 33 एवं 52 के तहत सूचित सूचक के तहत प्रकाशित है। वार्षिक वित्तीय परिणामों के विस्तृत विवरण का सार है। लेखापरीक्षित वित्तीय परिणामों के पूर्ण विवरण सूचक सूचक के वेबसाइट (www.bseindia.com) एवं एफएसडी (www.nseindia.com) एवं बैंक की वेबसाइट (www.ioib.in) पर उपलब्ध है।

2. बैंकिक उद्देश्यों के लिए तैयार किए गए हैं। अतः कुल जमापन और अन्य जमापन आर से संबंधित जानकारी प्रस्तुत नहीं की गई है।

दिनांक: 12.05.2023  
स्थान: चेन्नै

(संयोजित निगमक) (एन सीएलटी)  
कार्यपालक निदेशक (अध्यक्ष निगमक) (अध्यक्ष निगमक एवं सीओ)

**चाल् खोता - गोल्ड, डायमंड, प्लेटिनम प्लस**  
आइओबी में चाल् खाता खोलें और उम्मीद से ज्यादा खर्चियां पाएं

Central Office: 763, Anna Salai, Chennai - 600 002

# Beyond Tagore: Santiniketan's long wait for Unesco tag

The narrative tends to veer towards Tagore and intangible wealth, while the criteria focuses on tangible elements



ISHITA ANAN DUTT  
Kolkata, 12 May

The International Council on Monuments and Sites, a Unesco advisory body, has recommended that Santiniketan be included in the list of World Heritage Sites. It's now for committee members of different countries to accept the recommendation at a meeting to be held in Riyadh, Saudi Arabia, in September.

The idea of Santiniketan as a world heritage site has been in the making for more than a decade. The nomination dossier was first prepared in 2009 by conservation architects Abha Narain Lambah and Manish Chakraborty for the Archaeological Survey of India (ASI). But for various reasons it did not move forward. In 2021, the ASI appointed Lambah to prepare and update the dossier.

The big challenge for Santiniketan was that the narrative spontaneously veers towards Rabindranath Tagore, whose vision was

what turned it into a hub of creativity. The world heritage site status, however, has a defined set of criteria, which is not about personalities and intangibles.

"Santiniketan was unique and uniquely challenging as a Unesco dossier because apart from the overarching narrative of Tagore as a visionary artist and thinker, under the Unesco format, we had to argue on the cultural criteria of tangible elements," Lambah says.

"We were thus to demonstrate convincingly that Santiniketan as a cultural property has tangible aspects of architecture, landscape, built form and monumental art, which is the requirement for a world heritage site," she explains.

The justification for Santiniketan, therefore, rests on the tangible parts — from the indigenous materials to the architecture.

"In the early 20th century, India was under the yoke of colonialism, and Santiniketan heralded a break from colonial revivalist architecture to forge a new

modernity, which was not looking to the West but inwards, exploring indigenous materials and techniques, delving into India's rich past and absorbing influences from the East to create a Pan-Asian modernity," Lambah says.

In the expression of Santiniketan, there are influences of interchange with Japanese, Chinese, Hainanese architecture, she says. "In turn, you see Santiniketan influencing the architecture of Sri Lanka."

The interplay of built and open landscape merges into one here. "Then there is the overlay of the works of Nandalal Bose (one of the pioneers of modern Indian art) and Ramkinkar Baij (master sculptor and painter). It was a new identity for Indian architecture," Lambah says.

Santiniketan doesn't fit into one box — it wasn't meant to. "A unique idea of an alternative education was established there," Uma Dasgupta, historian and Tagore biographer, says. "Both Rabindra-

nath Tagore and Gandhi believed that the majority of India's population lived in the villages and unless there was an education system that they could respond to, it would be meaningless."

"Rabindranath had the good fortune of having a place that his father, Debendranath, founded in rural Bengal as an ashram in the 1860s. Debendranath established the Santiniketan Trust, a deed that provided for a school and a fair ('Toush MeLa')." Dasgupta says.

With his experimental idea of an open-air education system and centre of creativity, Rabindranath made it famous, and Santiniketan went on to inspire generations. It has gone on to become a university town with the birth of Visva-Bharati University.

"Tapati Guha-Thakurta, former director and honorary professor, Centre for Studies in Social Sciences Calcutta, points out that Kala Bhawan, set up in 1920 and led by Nandalal Bose, served as a centre of a new artistic modernism in India right through the years of independence. "It broke away from the Bengal school of art and established a new visual language, which looked to the East rather than the West," she says.

"Bose went on to become Gandhi's chosen painter for the pavilions of the Indian National Congress's sessions in Lucknow, Patna and Haripura in 1936, '37 and '38, respectively. He and his team were later invited by Nehru to illustrate the pages of the Constitution of India," Guha-Thakurta adds.

Bose was also Sayajiraj Ray's teacher at Kala Bhawan in 1940.

City-bred and all of 20, Ray wasn't particularly keen on going to Santiniketan but it opened his eyes, says Sandip Ray, filmmaker and Sayajiraj Ray's son. "He often said that *Pather Panchali* would not have been made without his stint in Santiniketan, which exposed him to rural Bengal."

About 150 km north of Kolkata, Santiniketan — the seat of art, culture and new-form education — was a way of life.

In recent times, the Visva-Bharati, which became a central university in 1951, has been mired in controversies.

"The present-day Santiniketan no longer resembles the dream Tagore had," says Guha-Thakurta. "The Unesco recognition will be a tribute to the international and national stature the place once enjoyed and a call to restore it to that eminence."

# The dissident lens

A historian offers an immersive experience in tracing the history of protest at FII, Pune

GHINTAN GISHI MOOI

Film historian Ashish Rajadhyaksha's new book, *John-Ghatak-Tarkovsky: Citizens, Filmmakers, Trackers*, traces the history of protest at the Film and Television Institute of India (FTII), Pune, using the student strike in June 2015 as a starting point for his scholarly enquiry. In addition to the immediate triggers for discontent, the author also investigates the subversive potential of cinema to analyse, question and threaten the authority of the state.

It is published as a collaboration between the Sher-Gil Sundaram Arts Foundation and Tulika Books. The Centre for the Study of Culture and Society supported the research.

Following an introduction written by Rajadhyaksha and the foreword by filmmaker Saied Adhar Mirza, this book has nine chapters. Each chapter title is poetic and political: The Campus in Expanded Cinema; Re-inventing the Regisseur; Collective Acts and Lumpen Students; Celluloid Spectres; Freedom and Dread; The Musical Spectacle; The Inflow Centre; Grotesque Bodies; The Tullaterran Measure Garden.

To refresh our memory of what happened in 2015, before Covid-19 drastically changed the nature of teaching and learning, Rajadhyaksha writes, "Mostly, they (the students) were protesting the nomination of several individuals to the Institute's Governing Council whose only qualification to govern India's premier film school seemed to be their direct affiliation with the ruling Bharatiya Janata Party and its allied formations."

Gajendra Chauthan, known for playing Yudhishthira in R. Chopra's television epic *Mahabharata* before he joined the BJP and worked as their national convener for culture, was named chairman of FTII's Governing Council. Other nominees were Narendra Pathak, president of the Maharashtra wing of Akhil Bharatiya Vidyarthi Parishad; Shalish Gupta, who directed the film *Shapath Modi Ki*; and filmmaker Anagha Ghatsas of *Ram Mitr*. *Adalit aur Aashu* and *Shri Narendra Modi: Gaitu*

Why was this unacceptable to the students at FTII? How did they mobilise against political interference? What made them find common cause with students protesting at Jadavpur University, Jawaharlal Nehru University and University of Hyderabad?

The book explores these questions through interviews with those students and with FTII alumni who took part in the protests directly or from a distance. The book also draws upon sources such as news reports, video footage, blogs, social media posts, minutes of meetings, posters, official documents, and records from the FTII Students' Association's email account.

It offers an immersive reading experience characterised as polyphonic and post-modern. Rajadhyaksha's text is accompanied by screen grabs from student diploma films, campaign posters, and records from the FTII Students' Association's email account.

It offers an immersive reading experience characterised as polyphonic and post-modern. Rajadhyaksha's text is accompanied by screen grabs from student diploma films, campaign posters, and records from the FTII Students' Association's email account.



**JOHN-GHATAK-TARKOVSKY: CITIZENS FILMMAKERS, TRACKERS**  
Author: Ashish Rajadhyaksha  
Publisher: Sher-Gil Sundaram Arts Foundation and Tulika Books  
Price: ₹1,500  
Pages: 336

networks and collectives that he has been part of, and describes the organic process through which this book came together. He unambiguously calls it a "personal account".

Is the FTII meant to be a place that imparts technical and vocational training or shapes aesthetic and political sensibilities? How does its relationship with the Ministry of Information and Broadcasting influence its priorities in terms of curriculum, pedagogy and allocation of funds? What pressures do students have to work with when they are constantly reminded that their education is subsidised through taxpayer money? What atrocities do teachers face when they are subjected to surveillance and are on short-term contracts? The book grapples with these questions in depth, and will hopefully inspire younger scholars to undertake studies of other educational institutions in India in a rigorous manner. After all, the crackdown on freedom of speech and expression, or any kind of political interference, is not limited to the FTII. What kind of learning can take place in environments that are filled with fear, where questioning is shut down and dissent is routinely crushed?

**CARE Ratings Limited**  
CIN: L67190MH1993PLC071691  
Reg Office: Godrej Coliseum, 4th Floor, Somania Hospital Road, Off Eastern Express Highway, Sion (East), Mumbai, Maharashtra, 400022. Tel. No.: 022-67543456  
Email: investor.relations@careedge.in; Website: www.careedge.in

**EXTRACT OF STATEMENT OF AUDITED CONSOLIDATED FINANCIAL RESULTS FOR THE QUARTER AND YEAR ENDED MARCH 31, 2023**

(₹ in Lakhs except per share data)

Sr. No.	Particulars	CONSOLIDATED			
		Quarter Ended		Year Ended	
		31-03-2023	31-03-2022	31-03-2023	31-03-2022
1	Total Income from Operations	7,751.09	6,588.13	27,899.39	24,763.28
2	Net Profit/(Loss) for the period (before Tax, Exceptional and/or Extraordinary Items)	3,408.73	2,739.48	12,574.65	9,863.90
3	Net Profit/(Loss) for the period before tax (after Exceptional and/or Extraordinary Items)	3,408.73	2,739.48	12,574.65	9,863.90
4	Net Profit/(Loss) for the period after tax (after Exceptional and/or Extraordinary Items)	2,015.26	2,330.83	8,545.80	7,682.90
5	Total Comprehensive Income for the period (Comprising Profit/(Loss) for the period (after tax) and Other Comprehensive Income (after tax))	2,022.97	3,175.94	8,486.59	8,466.37
6	Equity Share Capital (Face value - ₹ 10/- per share)	2,970.05	2,964.65	2,970.05	2,964.65
7	Reserves (excluding Revaluation Reserve) as shown in the Audited Balance Sheet of the previous year			64,256.74	61,784.81
8	Earnings Per Share (of ₹ 10/- each) (for continuing and discontinued operations) -	6.60	7.72	28.17	25.45
	Diluted	6.60	7.68	28.17	25.31

**Extract of Statement of Standalone Audited Financial Results for the Quarter And Year Ended March 31, 2023**

(₹ in Lakhs except per share data)

Sr. No.	Particulars	STANDALONE			
		Quarter Ended		Year Ended	
		31-03-2023	31-03-2022	31-03-2023	31-03-2022
1	Total Income from Operations	6,805.38	5,954.47	24,883.91	21,827.29
2	Profit before Tax	3,515.18	3,417.93	13,813.65	10,697.91
3	Profit after Tax	2,585.58	2,891.70	10,380.19	8,447.24

**Notes:**

- The above is an extract of the detailed format of Quarterly and year ended Audited Financial Results (Standalone & Consolidated) filed with the Stock Exchanges under Regulation 33 of the SEBI (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015. The full format of the Quarterly and year ended Audited Financial Results (Standalone & Consolidated) and respective Audit Reports are available on the website of the Stock Exchanges ([www.bseindia.com](http://www.bseindia.com)) and the website of the Company: [www.careedge.in](http://www.careedge.in)
- The Board of Directors of the Company has recommended final dividend of ₹ 7/- per share and Special dividend of ₹ 8/- per share in Q4 FY23. Accordingly, the total dividend for FY23 shall be ₹ 25/- per share as interim.
- The above results, have been reviewed and recommended by the Audit Committee and approved by the Board of Directors at their meetings held on May 11, 2023 as per Regulation 33 of SEBI (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015 and have been subjected to audit by the statutory auditors of the Company.

For and behalf of the Board of Directors  
CARE Ratings Limited  
Sd/-  
Mehul Pandya  
Chief Executive Officer and Managing Director  
DIN No.: 07610292

Dated: May 11, 2023  
Place: Mumbai

**75th Azadi Ka Amrit Mahotsav**

**इण्डियन ओवरसीज़ बैंक**  
**Indian Overseas Bank**  
आपकी प्रगति का सच्चा साथी  
Good people to Grow with

**AUDITED FINANCIAL RESULTS FOR THE QUARTER / YEAR ENDED 31ST MARCH 2023**

(₹ in Lakhs)

S No.	Particulars	Standalone								Consolidated			
		Quarter Ended		Year Ended		Quarter Ended		Year Ended		Quarter Ended		Year Ended	
		31.03.2023	31.12.2022	31.03.2022	31.03.2022	31.03.2023	31.03.2022	31.03.2023	31.03.2022	31.03.2023	31.03.2022		
1	Total Income from operations (Net)	6,692.242	6,600.651	5,71,868	23,50,968	21,63,289	6,63,057	6,60,807	5,72,053	23,52,342	21,64,117		
2	Net Profit/(Loss) for the period before Tax: Exceptional and/or Extraordinary Items)	88,588	56,044	60,019	2,34,825	1,77,906	88,135	56,027	59,976	2,35,433	1,77,897		
3	Net Profit/(Loss) for the period before tax (after Exceptional and/or Extraordinary Items)	88,588	56,044	60,019	2,34,825	1,77,906	65,563	55,505	55,718	2,10,399	1,70,928		
4	Net Profit/(Loss) for the period after tax (after Exceptional and/or Extraordinary Items)	65,007	55,520	55,238	2,09,879	1,70,954	65,563	55,505	55,178	2,10,399	1,70,928		
5	Total Comprehensive Income for the period (Comprising Profit/(Loss) for the period (after tax) and Other Comprehensive Income (after tax))	NA											
6	Paid up Equity Share Capital	18,90,241	18,90,241	18,90,241	18,90,241	18,90,241	18,90,241	18,90,241	18,90,241	18,90,241	18,90,241		
7	Reserves (including Revaluation Reserve)				1,38,192	1,34,842				1,38,192	1,34,842		
8	Securities Premium Account	8,55,790	8,55,790	8,55,790	8,55,790	8,55,790	8,55,790	8,55,790	8,55,790	8,55,790	8,55,790		
9	Reserves	14,64,349	13,74,614	12,35,611	14,64,349	12,35,611				14,64,349	12,35,611		
10	Paid Up Debt Capital / Outstanding Debt	NA											
11	Outstanding Redeemable Preference Shares	NA											
12	Debt: Equity Ratio (Excluding Revaluation Reserve & Intangible Assets) (in times)	0.97	0.97	0.69	0.82	0.68							
13	Earnings Per Share (of ₹ 10/- each) (for continuing and discontinued operations) -	NA											
1	Basic	0.34	0.29	0.29	1.15	0.92							
2	Diluted	0.34	0.29	0.29	1.15	0.92							
14	Capital Redemption Reserve	NA											
15	Debtenture Redemption Reserve	NA											

**NOTE:**

- The above is an extract of the detailed format of Quarterly / Yearly Audited Financial Results filed with the Stock Exchanges under Regulation 33 and 52 of the SEBI (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015. The full format of the Audited Financial Results is available on the Stock Exchange websites ([www.bseindia.com](http://www.bseindia.com)) and [www.indiaonline.com](http://www.indiaonline.com) and bank website ([www.ioib.in](http://www.ioib.in)).
- Information relating to Total Comprehensive Income and Other Comprehensive Income is not furnished as Ind-AS is not yet made applicable to the Bank.

Date: 12.05.2023 (SANJAY VINAYAK MULLALIAR) (S SRINATHY)  
Place: Chennai EXECUTIVE DIRECTOR EXECUTIVE DIRECTOR  
(AJAY KUMAR SRIVASTAVA)  
MANAGING DIRECTOR & CEO

**CURRENT ACCOUNT - GOLD, DIAMOND, PLATINUM PLUS**  
Open Current Account with IOB & Explore the features Beyond Expectations

Central Office: 763, Anna Salai, Chennai - 600 002

